श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

प्रथम वर्ष - अभ्यास - १

जून-2022

गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ मे न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र मे अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. आश्रव, पुण्य और पाप इन तीन तत्वों का समावेश .... तत्व में हो सकता है ।
२. मोहनीय कर्म के क्षय होने से .... गुण की प्राप्ति होती है ।
३. प्रत्येक रचना में रचनाकार प्रथम गाथा में .... को वंदन करके मांगलिक करते है ।
४. प्रभु का संघयण .... था ।
५. सभी चलते फिरते द्विइन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय तक के जीवों का .... समावेश होता है ।
६. शत्रु इत्यादि के भय संकट आदि .... मंत्र के स्मरण से नाश हो जाते हैं ।
७. काल के प्रभाव से .... घटने से युगलिक आपस में कलह करने लगे ।
८. नव तत्व उपर श्रद्धा यही .... है ।
९. देवता भगवान के बैठने के लिये रत्नजडित .... के सिंहासन की रचना समवसरण में करते हैं ।
१०. द्रव्य बंध में कारणरुप बनते जीव के अध्यवसाय .... है ।
११. कछुए को एकबार अचानक .... के चंद्रमा के दर्शन हुए ।
१२. धरती अनेक प्रकार के .... से भरी हुई है ।
१३. प्रभु श्री ऋषभदेव ने आचार्य .... से प्रतिबोध पाकर सम्यग् दर्शन प्राप्त किया ।
१४. सामान्य से चलते फिरते जीवों में द्विइन्द्रिय से .... जीवों का समावेश होता है ।
१५. स्वयं के संघ में उपद्रव का नाश करने वाला .... अतिशय है ।
१६. जो मनुष्य प्राप्त हुए मनुष्य भव को प्रमाद से .... सुखोपभोग में गंवा देता है उसे फिर से मानवभव मिलना अत्यंत दुर्लभ है ।
१७. संवर निर्जरा और मोक्ष जीव के .... स्वरुप है ।
१८. महानुभाव ! आपका .... शीघ्र ही होगा ।
१९. विश्व की संपूर्ण धनदौलत संपति एकत्रित करने मे आये फिर भी एक दिन के .... का मूल्य उससे ज्यादा है ।
२०. विमल वाहन कुलकर ने .... दंड नीति प्रवर्तित की ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. गोत्र कर्म के क्षय होने से कौन सा गुण प्राप्त होता है ?
२. अरिहंत ऋषभदेव कौन से नक्षत्र में मोक्ष में गये ?
३. समवसरण में भगवान किस दिशा में बैठते हैं ?
४. सिद्ध पासे किसके पास थे ?
५. ऋषभदेव प्रभु ने साधुपना स्वीकारा उस समय उन्हें कौन सा ज्ञान उत्पन्न हुआ ?
६. राजा की बात सुनकर कौन सुन्न हो गये ?
७. पंच परमेष्ठि में साधु का वर्ण कौनसा ?
८. चक्षुष्मान के पुत्र का नाम क्या था ?
९. ठाकुर किनके चरण में नमस्कार कर उपाश्रय से बाहर आये ?
१०. स्व-इच्छा से एक स्थान से दूसरे स्थान पर न जा सके वे जीव कौन से ?
११. मथुरा नगरी के सम्राट कौन थे ?
१२. हमारी सावधानी असंख्य जीवों को कौनसा दान दे सकती है ?
१३. परिवार को चन्द्रदर्शन कौन नहीं करा सका ?
१४. तीन भुवन में दीपक समान कौन है ?
१५. युग याने क्या ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. चेयण २) लोको ३) वणस्सई ४) अबुह ५) पइवं ६) मक्खो ७) प्पणासणो ८) सरुवं ९) अभय १०) चउ ११) साहूणं
१२. हरियाल १३) नवतत्ता १४) किंचिवि १५) रंजण १६) बायाला १७)जलण १८) करग १९) तुम २०) निज्जरणा

(10)

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) धन	१) मनुष्य गति के जीव	६) नमस्कार	६) भोजनानंदी
२) रत्नपुर	२) कृतज्ञता का संकेत	७) शिबिका	७) सार्थवाह
३) स्वाति शालीभद्र	३) अव्याबाध	८) खार	८) शतायुध
४) गुरुजी	४) पृथ्वीकाय	९) उत्कृष्ट	९) सुदर्शना
५) देशना	५) विरतीधर्म	१०) सिद्ध के गुण	१०) धर्मोपदेश

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. पाप तत्व के भेद कितने ?
२. नवकार मंत्र के एक पद से कितने सागरोपम के पाप का नाश होता है ?
३. लवण समुद्र के बीच में पानी की शिखा कितने हजार योजन ऊँची हैं ?
४. प्रभु ने ब्राम्ही सुंदरी को स्त्रीयों की कितनी कलायें सिखलाई ?
५. चक्रवर्ती कितने खंड के अधिपति होते हैं ?
६. अरिहंत प्रभु के प्रातिहार्य कितने ?
७. सातवें कुलकर का शरीरमान कितने धनुष्य था ?
८. पंच परमेष्ठि में देव कितने ?
९. नव तत्व के भेद में हेय के भेद कितने ?
१०. काय की अपेक्षा से जीवों के प्रकार कितने ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. कर्मो के देशक्षय में कारणरुप बनते जीव के अध्यवसाय वह भाव निर्जरा है ।
२. प्रभु ने बाहुबली को बहली देश में विनीता का मुख्य राज्य दिया ।
३. लवण समुद्र में चार बडे पाताल कलश है ।
४. नवकार मंत्र का दूसरा नाम शक्रस्तव है ।
५. मक्खी, मच्छर, पतंगा वगैरह तिइन्द्रिय जीव है ।
६. अप्काय याने खदान के जीव ।
७. देव अपनी शक्ति से एक बडे स्तंभ का पावडर बनाता है ।
८. पांचमे भव में प्रभु दूसरे देवलोक में ललितांग नामक देव हुए ।
९. अज्ञान यह द्रव्य उपद्रव है ।
१०. व्रत नियम सयंम वगैरह के द्वारा आने वाले कर्म रुके वो निर्जरातत्व है ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. "अंधा मांगे आंख और भूखा मांगे भात" ।
२. नवतत्व के बिना देशना नहीं ।
३. यह पहला अकाल मृत्यु इस अवसर्पिणी में हुआ ।
४. पाप अगर लोहे की बेडी है तो पुण्य सोने की बेडी है ।
५. "पिताजी, यह कौनसी शर्त है" ?
६. केश, रोम,दाढी, मूंछ के बाल और नाखून दीक्षा लेने के पश्चात बढते नहीं ।
७. दुनिया मे ऐसी एक भी वस्तु नहीं जिसके द्वारा जीव का जीवत्व तौल सकें ।
८. विश्व का कोई भी जीव हो या तो त्रस है अथवा स्थावर है ।
९. कोशला में जन्म होने के कारण कौशलिक कहलाने वाले ऋषभदेव उत्तराषाढा नक्षत्र में च्यवकर गर्भ में आये ।
१०. "सौ सुनार की एक लुहार की" ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. कर्मक्षयजातिशय २) भोजन का दृष्यंत ३) प्रभु ऋषभदेव की राज्य व्यवस्था
४. महामंत्र नवकार ५) अरिहंत परमात्मा के उपदेश का सार "नवतत्व"

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :

शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
[illegible] सही प्रश्नपत्र और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com